

सराय

"पिताजी कहते हैं कि यह घर सराय बना हुआ है।" ऊपर के वाक्य को पढ़ो और बताओ कि-

- (क) सराय और घर में क्या अंतर होता है? आपस में इस पर चर्चा करो।
- (ख) पिताजी को अपना घर सराय क्यों लगता है? उत्तर
- (क) सराय में लोग किराया देकर कुछ समय के लिए रहते हैं और चले जाते हैं। सराय के मकान से उन्हें कोई लगाव नहीं होता। परन्तु घर से अपनापन जुड़ा रहता है। उसमें पूरा जीवन लोग काट देते हैं। घर में एक ही परिवार के लोग रहते हैं। सराय में अलग-अलग स्थानों से आए लोग कुछ समय के लिए रहते हैं।
- (ख) पिताजी को अपना घर सराय इसलिए लगा क्योंकि वहाँ पर कोई भी आ जाता था; जैसे- चिड़िया, कबूतर, चमगादड़, बिल्ली, चूहा, चींटियाँ आदि।

पृष्ठ संख्या: 14

11. **माँ** की बात

नीचे माँ द्वारा कही गई कुछ बातें लिखी हुई हैं। उन्हें पढ़ो।

"अब तो ये नहीं उड़ेंगी। पहले इन्हें उड़ा देते, तो उड़ जातीं।"

"एक दरवाज़ा खुला छोड़ो, बाकी दरवाज़े बंद कर दो। तभी ये निकलेंगी।"

"देखो जी, चिड़ियों को मत निकालो। अब तो इन्होंने अंडे भी दे दिए होंगे। अब ये यहाँ से नहीं जाएँगी।" अब बताओ कि-

- (क) क्या माँ सचमुच चिड़ियों को घर से निकालना चाहती थीं?
- (ख) माँ बार-बार क्यों कह रही थीं कि ये चिड़ियाँ नहीं जाएँगी?

उत्तर

- (क) माँ सचमुच चिड़ियों को घर से निकालना नहीं चाहती थीं।
- (ख) माँ को लग रहा था कि चिड़ियों ने घोंसले में अंडे दे दिए होंगे और वे अंडे छोड़कर चिड़िया नहीं जाएगीं।

********* END ********